

विशेष रिपोर्ट

मसाले

अगस्त 2022



हल्दी

महत्वपूर्ण कारक

- घरेलू मसाला उद्योगों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग
- देश में हल्दी की बुआई की मौजूदा स्थिति
- हल्दी उत्पादक राज्यों में मौसम की स्थिति
- मध्य-पूर्व और बांग्लादेश से निर्यात मांग
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक की स्थिति

फंडामेंटल:

प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए जुलाई 22 में हल्दी की कीमतों में गिरावट जारी रही। वर्ष 2021-22 में बंपर उत्पादन और भारी कैरी फॉरवर्ड स्टॉक के कारण बाजार में आपूर्ति पर्याप्त रही जिससे कीमतों में लगातार गिरावट हुई है। हल्दी की कीमतें जुलाई 22 के अंत तक 6000 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर पहुंच गईं, जो जनवरी 22 में दर्ज 9500 रुपये प्रति क्विंटल की तुलना में 38% की गिरावट है। इसी तरह, हल्दी वायदा की कीमतों में वर्ष 2022 में अब तक 33% की गिरावट हुई है। अधिक उत्पादन के कारण आपूर्ति पर्याप्त रही क्योंकि वर्ष 2021-22 में भारत में हल्दी के उत्पादन में 18% की वृद्धि हुई और पिछले वर्ष के 11.2 लाख टन की तुलना में 13.1 लाख टन तक पहुंच गई। पूरे साल घरेलू मांग कमजोर रही क्योंकि सबसे बड़े और प्रमुख खरीदारों ने कीमतों में अधिक गिरावट की उम्मीद में आवश्यकतानुसार खरीदारी को प्राथमिकता दी।

हल्दी वायदा का साप्ताहिक चार्ट



स्रोत: रॉयटर

आउटलुक

भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत के मद्देनजर हल्दी में गिरावट सीमित होने की संभावना है। आने वाले महीनों में मांग में तेजी आने की उम्मीद है जिससे कीमतों में भारी गिरावट पर रोक लगेगी। को सीमित करेगा। कीमतों को 7100 के स्तर के पास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है और इस स्तर पर नई खरीदारी देखने को मिलेगी। इसके अलावा, निर्यात के लिए बढ़ती पूछताछ और तेलंगाना एवं महाराष्ट्र में अत्यधिक वर्षा के कारण आगामी फसल के लिए बुआई क्षेत्र में गिरावट और उपज के नुकसान की रिपोर्ट से आने वाले हफ्तों में नई खरीद के आकर्षित करने की संभावना है। सरकारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मई 22 में हल्दी का निर्यात साल-दर-साल 26% बढ़कर 17.13 हजार टन हो गया। भारत ने वर्ष 2022 के पहले पांच महीनों में लगभग 67.6 हजार टन निर्यात किया, जो साल-दर-साल 6% अधिक है। भारतीय हल्दी की अच्छी कीमत के कारण मध्य पूर्व के देशों से मांग में तेजी आई है।

जीरा

महत्वपूर्ण कारक

- चालू वर्ष के लिए उत्पादन अनुमान
- भौतिक बाजारों में आवक की मात्रा
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक
- भारतीय जीरे की घरेलू और निर्यात मांग
- अन्य जीरा उत्पादक देशों में उत्पादन की संभावनाएं

फंडामेंटल:

आपूर्ति की कमी को लेकर मौजूदा चिंताओं के कारण जुलाई में जीरा की कीमतों में तेजी बरकरार रही। आपूर्ति की कमी के कारण गुजरात के उंझा बाजार में जीरा की कीमतें जनवरी-22 से 91% बढ़कर 24825 रुपये/क्विंटल के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गईं। कम उत्पादन का असर जीरा वायदा की कीमतों पर भी देखा जा रहा है, जिसमें वर्ष 2022 में एक जोरदार तेजी देखी गई है और अब तक 47% की वृद्धि हुई है। गुजरात, जिसका भारत में कुल जीरा उत्पादन में 60% हिस्सा है, राज्य में उत्पादन में गिरावट के कारण वर्ष 2022 में अब तक आवक में भारी गिरावट देखी गई। वर्ष 2022 में अगस्त के पहले सप्ताह तक भारत भर की प्रमुख मंडियों में जीरा की आवक 1.80 लाख टन दर्ज की गई, जबकि पिछले साल यह 2.57 लाख टन थी। सरकार के अनुमान के अनुसार वर्ष 2021-22 में जीरा का उत्पादन साल-दर-साल 9% गिरकर 7.26 लाख टन रह गया है। उत्पादन में गिरावट प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण जीरा के तहत कम रकबे और उपज के नुकसान के कारण हुआ है। जीरा का रकबा पिछले साल के 10.87 लाख हेक्टेयर की तुलना में साल-दर-साल 5% घटकर 10.37 लाख हेक्टेयर रह गया, क्योंकि राजस्थान और गुजरात के किसानों ने अन्य लाभदायक फसलों की ओर रुख किया। इसके अलावा इस साल मार्च में मॉनसून और बेमौसम बारिश ने भी जीरे की फसल पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। इसके अलावा, जीरा उत्पादन क्षेत्रों में भीषण गर्मी ने भी किसानों का नुकसान किया। आपूर्ति की कमी को लेकर चिंता तब तक बरकरार रहने की संभावना है जब तक कि फरवरी-23 में नई फसल बाजार में नहीं आती। चीन से कम मांग के बीच उत्पादन में गिरावट के साथ वर्ष 2022 में जीरा निर्यात भी कम हो गया है। भारत ने जनवरी 22-मई 22 तक लगभग 64.1 हजार टन जीरा का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 115.4 हजार टन की तुलना में साल-दर-साल 44% कम है।

जीरा वायदा का साप्ताहिक चार्ट



स्रोत: रॉयटर

आउटलुक

घरेलू बाजार में आपूर्ति की कमी के कारण जीरा की कीमतों में तेजी बरकरार रहने की संभावना है। भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ घरेलू मांग में वृद्धि और कोविड के मामलों में गिरावट आने से होटल और रेस्तरां क्षेत्र द्वारा सक्रिय खरीदारी के बाद आने वाले हफ्तों में भी जीरा की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है।

धनिया

महत्वपूर्ण कारक

- किसानों और स्टॉकिस्टों के पास कम स्टॉक
- मसाला उद्योगों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग
- घरेलू मांग और मौजूदा कीमतों पर निर्यात मांग
- मानसून में प्रगति
- सीरिया, रूस और यूक्रेन जैसे अन्य उत्पादक देशों में उत्पादन अनुमान

फंडामेंटल:

जुलाई-22 में धनिया वायदा में साइडवेज कारोबार हुआ लेकिन बाजारों में सीमित आपूर्ति के कारण तेजी का रूझान बना रहा। मंडियों में घटती आवक और वैश्विक कीमतों में तेजी ने घरेलू कीमतों को समर्थन दिया। जुलाई 22 में 12564 रुपये/क्विंटल के उच्च स्तर को छूने के बाद धनिया वायदा की कीमतें 11830 रुपये/क्विंटल पर बंद हुईं और 4% की मासिक बढ़त दर्ज करने में कामयाब हुईं। इसी तरह, कोटा बाजार में धनिया की हाजिर कीमतें वर्ष 2022 के पिछले 7 महीनों में 6200 रुपये/क्विंटल से दोगुनी होकर 13500 रुपये/क्विंटल हो गई हैं। सरकारी अनुमान के अनुसार वर्ष 2021-22 में धनिया का उत्पादन पिछले वर्ष के 8.91 लाख टन की तुलना में 10% कम होकर 8.01 लाख टन रह गया है। स्टॉकिएस्ट कीमतों में अधिक वृद्धि की उम्मीद में अपने स्टॉक को जारी करने के लिए अनिच्छुक हैं। घरेलू बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण मसाला मिलों बड़े हुए दामों पर धनिया खरीदने को मजबूर हैं। घरेलू आपूर्ति में गिरावट के साथ, वर्ष 2022 में धनिया आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत ने पिछले वर्ष के 2.4 हजार टन की तुलना में वर्ष 2022 में मई तक लगभग 11.5 हजार टन धनिया का आयात किया है। रूस, बुल्गारिया, यूक्रेन, रोमानिया, मोरक्को आदि जैसे अन्य धनिया उत्पादक देशों में धनिया की नई फसलों की आवक शुरू हो गई है, लेकिन यूक्रेन, सीरिया और ईरान में कम उत्पादन के अनुमान और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी से आयात महंगा रहेगा।

धनिया वायदा का साप्ताहिक चार्ट



स्रोत: रॉयटर

आउटलुक

बेहतर मांग की संभावनाओं के कारण धनिया वायदा की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। त्योहारों की बढ़ती मांग के मद्देनजर मसाला मिल मालिकों की सक्रिय खरीददारी से कीमतों में मजबूती आने की संभावना है। इसके अलावा, फरवरी 23 में नया सीजन शुरू होने तक आपूर्ति कम रहने की संभावना है।

वंदना भारती	एवीपी कर्मोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिटेड नेशनल कर्मोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कर्मोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कर्मोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कर्मोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कर्मोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

दिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्रापकर्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्तुलन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विस्तृत सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन को गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसको (अ) समय-समय पर किसी भी कर्मोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोषण हो सकती है और वह इस कर्मोडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कर्मोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।